संस्कृति, समाज और संवेदना

श्यामसुन्दर दूबे

Scanned with OKEN Scanner

ग्रंथलोक
1/11244 सुभाष पार्क,
(निकट कीर्ति मन्दिर)
नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032
फोन : 22827556, मोबाईल : 9868472675

© लेखक

ISBN 81-88567-23-X

मूल्य : 250.00 रुपये

प्रथम संस्करण : 2004

आवरण : मनीश डागा

शब्द-संयोजक : **विनायक कम्प्यूटर्स,** शाहदरा, दिल्ली-110032

मुद्रक : **शिवानी आर्ट प्रेस** दिल्ली-110032

SANSKRITI, SAMAAJ AUR SAMVEDNA
by Dr. Shyamsunder Dube

Rs. 250.00

अनुक्रम

संस्कृति

आँच में तपा एक जीवंत कथानक 13
देशज आधुनिकता के सरोकार 18
नवउपनिवेशवादी मानसिकता की प्रतीति 22
सामाजिक परिवर्तन और प्रगति की प्रक्रिया में परम्परा 27
साहित्य के सामाजिक सरोकार 32
समकालीन संदर्भों में लोक संस्कृति की समन्वयवादिता
और उसकी भविष्य दृष्टि 36
लोक साहित्य के मानवीय संदर्भ 42
लोक-संस्कृति की सैद्धान्तिक व्याख्या और इतिहास लेखन 48
क्षेत्र संस्कृति के लोकसंदर्भ 56
बुन्देलखण्ड की लोक संस्कृति के इतिहास की दूसरी परम्परा 62

समाज

समकालीन से संवाद 69
सृजन भी मूल्याँकन भी 72
मानस में तुलसी का अन्तर्द्वन्द्व एवं युग-संघर्ष 75
केशव : लोक और परलोक का समन्वय 79
भूषण का काव्य : इतिहास चेतना का राष्ट्रीय दबाव 85
बिहारी सतसई में चित्रकला 94
पद्माकर की राज्य विषयक अवधारणाएँ 103

संवेदना

यथार्थ की सीमाएँ और हिन्दी–उपन्यास–साहित्य 113
'गोदान' में प्रेमचन्द की इतिहास दृष्टि 119

Scanned with OKEN Scanner

व्यंग्य की धार पर बुन्देलखण्ड 124
अपना मोर्चा : मुहुर्मुहुः 129
हीरा परा बजार में 137
सम्पूर्णता की तलाश में 140
जातीय स्मृतियों का आस्वादन 144
मध्य प्रदेश का कथा साहित्य 148
व्यंग्य का परिप्रेक्ष्य 154
बीसवीं सदी का हिन्दी ललित निबंध 159
नवगीत : बिम्ब और प्रतीक-विधान 173
वर्तमान कविता : संतुलन के बिंदु 184
साठोत्तरी प्रवृत्तियों से प्रवाहमान नवें दशक की कविता 189
भोलेपन से कविता के पास दसों दिशाओं में 194
नारी सम्वेदना का करुण अनुभव सत्य 198
मानवीय रिश्तों और घरेलू गन्ध की कविताएं 201
स्मृति-क्षणों की जीवित-जागृत कविता-भाषा 203
हादसों में फंसी कविता 205
'कनुप्रिया' की राधा 208
पंडित माखनलाल चतुर्वेदी की साहित्यिक मान्यताएं 215
बाबू गुलाब रायः सृजनात्मक समीक्षा के प्रस्थान बिन्दु 223

Scanned with OKEN Scanner

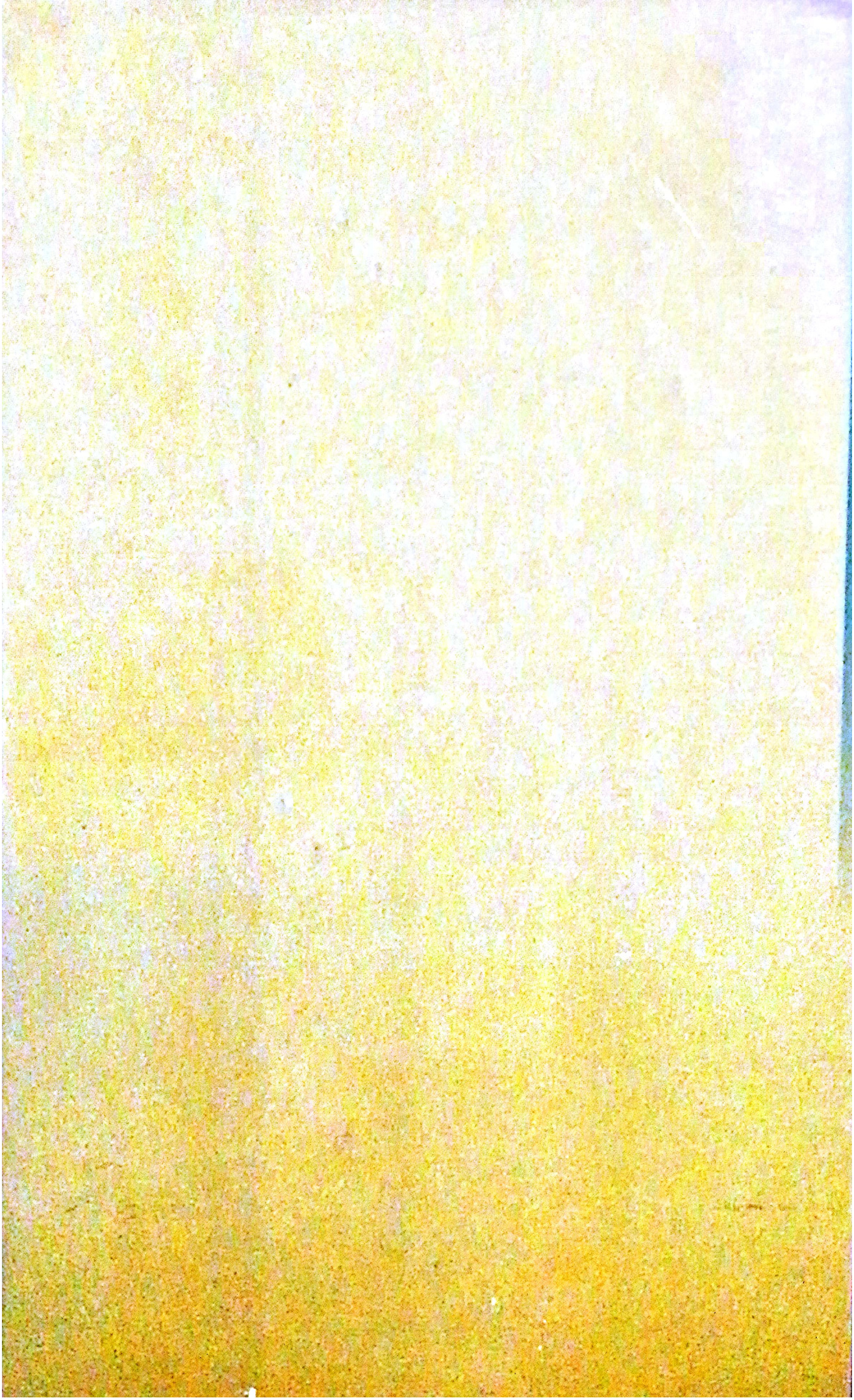

Scanned with OKEN Scanner